टाइगर रेंज देशों की शिखर सम्मेलन से पूर्व की बैठक

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के भाषण का मूल पाठ

उपस्थित गणमान्य व्यक्तिगण,

टाइगर रेंज देशों के प्रतिनिधि,

देवियों और सज्जनों,

नमस्ते;

मैं विश्व शेर दिवस के अवसर पर आप सभी को बधाई देते हुए अपनी बात शुरू करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे यकीन है कि यहां एकत्रित हम सभी बिल्ली परिवार के इस सदस्य के लिए भी बहुत प्यार रखते हैं और शेर के संरक्षण व सुरक्षा के बारे में भी गहराई से चिंतित रहते हैं। आख़िरकार, शेर निस्संदेह जानवरों की दुनिया के सबसे खूबसूरत और डरावने जीवों में एक है।

बिल्लियों की लगभग 40 प्रजातियां हैं, जो मानव कल्पना को आश्चर्य और विस्मय से भर देती हैं। जब बड़ी बिल्लियों, जिनमें जगुआर और तेंदुए शामिल हैं, की बात आती है, तो भय की यह भावना अधिक बलवती दिखाई पड़ती है। लेकिन एक जानवर ऐसा है, जिसकी मौजूदगी हमारी कल्पना में दूसरों की तुलना में अधिक होती है। यह जानवर बाघ है, जो न केवल अपने मूल क्षेत्र एशिया में, बल्कि दुनिया भर में बल और शक्ति का प्रतीक है।

इसलिए, टाइगर रेंज देशों की पूर्व-शिखर बैठक के लिए आप सभी को यहां देखकर मैं उत्साहित और रोमांचित दोनों हूं। भारत सरकार की ओर से मलेशिया द्वारा वर्चुअल रूप में आयोजित चौथे एशिया मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान, मैंने बाघ संरक्षण पर मसौदा घोषणा को अंतिम रूप देने के लिए इस पूर्व-शिखर बैठक की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा था। मैं यह देखकर खुश हूं कि आज यह बैठक आयोजित की जा रही है और इसलिए मैं इस अवसर पर आप सभी का इस आयोजन में गर्मजोशी से स्वागत करता हूं। आपका जो उत्साह आज मैं यहां देख रहा हूं, वह हमें बाघ संरक्षण के भविष्य के बारे में अत्यधिक आशान्वित करता है।

हम सभी जानते हैं कि बाघ केवल एक करिश्माई प्रजाति या गहरे जंगलों में रहने वाला कोई अन्य जंगली जानवर नहीं है। बाघ एक विशिष्ट जानवर है, जो किसी पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन और विविधता में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारतीय महाकाव्य महाभारत में, बाघ को प्रमुखता दी गयी है। महाभारत 5000 साल पहले लिखा गया था। यह संस्कृत में लिखा गया है और मैं उद्धृत करता हूं:

मा वनं छिन्धि सव्याघ्रं मा व्याघ्राः नीनशन्वनात्

वनं हि रक्ष्यते व्याघ्रैव्र्य्घ्रान् रक्षति काननम्।।

अर्थ है, "जंगल को नष्ट मत करो, जो बाघों का निवास स्थान है। बाघों का शिकार और इनकी हत्या न करें, क्योंकि वे जंगलों की रक्षा करते हैं। दोनों एक दूसरे के बिना जीवित नहीं रह सकते।"

मैं यहां यह जोड़ना चाहता हूं कि मानव जाति का अस्तित्व इनमें से एक के बिना भी संभव नहीं है।

बाघ के साथ भारत का संबंध गहरा व बहुत पुराना है और उदहारणस्वरूप इसे 25वीं शताब्दी ईसा पूर्व में सिंधु घाटी सभ्यता की पशुपति मुहर पर उकेरे गए बंगाल के बाघ के रूप में देखा जा सकता है। हमारी श्रद्धेय देवी दुर्गा को अक्सर बाघ की सवारी करते देखा जाता है और इसलिए बाघ हम भारतीयों के लिए सिर्फ एक जानवर नहीं है, बल्कि हम उसकी पूजा करते हैं और उसका बहुत सम्मान करते हैं। यही कारण है कि भारत में कई स्वदेशी जनजातियां जैसे कर्नाटक और तमिलनाडु में सोलिगा जनजाति और मध्य प्रदेश में बैगा जनजाति बाघ संरक्षण के प्रयासों में गहराई से जुड़े हुए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत ने बाघ संरक्षण में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। एक बात, जिस पर माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार जोर दिया है, वह है- हमारे संरक्षण के प्रयास, विकास में बाधक नहीं हैं। इस बात का उल्लेख माननीय प्रधानमंत्री ने तीसरे एशिया मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान भी किया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकास से समझौता किए बिना वन्यजीवों के संरक्षण और उनकी संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संरक्षण रणनीतियों को अधिक प्रभावी बना रहा है। परिणामस्वरूप हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं और संरक्षण के प्रयासों में भी इसके शानदार परिणाम दिख रहे हैं।

हाल ही में भारतीय संसद ने वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021 पारित किया। ये विधेयक कानून के तहत संरक्षित प्रजातियों की संख्या बढ़ाने और वन्य जीवों व पौधों के नमूनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को इस तरह विनियमित करने का प्रयास करता है जिससे इन प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा न हो।

आज मुझे आप सब विशिष्ट लोगों को ये बताते हुए गर्व हो रहा है कि भारत में 52 बाघ अभयारण्य हैं, जो 18 राज्यों में लगभग 75,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं। एक टाइगर रेंज देश के रूप में भारत में बाघों की आबादी वैश्विक स्तर पर जंगली बाघों की आबादी का लगभग 70 प्रतिशत है।

देश के भीतर सभी संभावित बाघ आवासों को टाइगर रिजर्व नेटवर्क के अंतर्गत लाने के लिए भी हम प्रतिबद्ध हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने प्रोजेक्ट टाइगर के लिए अपने वित्त पोषण में बढ़ोतरी की है। हम ऐसे स्थानीय समुदायों को साथ लेकर ज्यादा समावेशी संरक्षण प्रयासों की दिशा में भी काम कर रहे हैं जो बाघ अभयारण्यों के करीब ही रहते हैं। संरक्षण की इन कोशिशों में स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से शामिल करने के जो हमारे प्रयास हैं ये माननीय प्रधानमंत्री के जनभागीदारी के आह्वान से ही उभरे हैं।

मुझे आप सभी को बताते हुए गर्व हो रहा है कि बाघ अभयारण्यों का दौरा करने वाले लोगों ने जानवरों के साथ जो नाता विकसित किया है और जिस भावना के साथ वे अपने छोटे-छोटे तरीकों से बाघ संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं, वो उत्साहजनक और आश्वस्त करने वाला है। बाघों के लिए भारतीयों का ये प्यार बाघों की संख्या में झलकता है।

2018 की अंतिम बाघ गणना में बाघों की आबादी में वृद्धि देखी गई। उल्लेखनीय बात है कि भारत ने बाघों की संख्या को दोगुना करने के लक्ष्य को बाघ संरक्षण पर पीटर्सबर्ग घोषणा की समय सीमा से 4 साल पहले ही हासिल कर लिया है। हमारे 17 बाघ अभयारण्यों को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है और दो बाघ अभयारण्यों को अंतर्राष्ट्रीय टीx2 पुरस्कार मिला है। इसलिए हम न सिर्फ क्षेत्रों को बाघ अभयारण्य घोषित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें वन्यजीव संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत मानकों पर ले जाने के लिए भी काम कर रहे हैं।

बाघों की आबादी के प्रभावी प्रबंधन के लिए बाघों की संख्या का भरोसेमंद अनुमान होना बहुत जरूरी है। टाइगर टास्क फोर्स द्वारा अनुमोदित विज्ञान-आधारित, पूर्व-समीक्षित बाघ निगरानी पद्धति को लागू करने में भारत सबसे आगे रहा है। अब तक देशव्यापी आकलन के 4 चक्र हो चुके हैं और अखिल भारतीय बाघ अनुमान का 5वां चक्र अभी चल रहा है।

1 जुलाई 2022 को पूरे देश में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। टोटल प्लास्टिक फ्री अभियान के तहत खासतौर पर बाघ अभयारण्यों को प्लास्टिक मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले विशेष अभियान चल रहे हैं जो माननीय प्रधानमंत्री के व्यापक स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा हैं।

भारत में जंगली बाघ संरक्षण ने कई प्रथाओं को संहिताबद्ध किया है, और ये चीते जैसी स्थानीय रूप से विलुप्त प्रजातियों को वापस लाने में उपयोगी साबित हो रहा है। मुझे ये कहते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा पहचाने गए हमारे संभावनाओं भरे प्राकृतिक आवासों में से एक में ये बहुत जल्द मुमकिन होगा।

सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा को अपनाए 12 साल हो चुके हैं। विश्व स्तर पर बहुत कुछ घट चुका है। इसमें कोविड महामारी भी शामिल है, जिसने जीवन के कई क्षेत्रों पर प्रभाव डाला है और बाघ संरक्षण भी इसमें कोई अपवाद नहीं है।

तमाम रुकावटों और निरंतर बदलती विश्व व्यवस्था के बावजूद, टाइगर रेंज के देश मैदान में डटे हुए हैं और वन्य बाघों के मोर्चे पर उन्होंने सराहनीय काम किया है। मैं टाइगर रेंज के सभी देशों को इस क्षेत्र में उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूं। लेकिन तथ्य यह है कि हम अपनी सतर्कता में कमी नहीं ला सकते और इस बात को सभी बखूबी समझते हैं।

बाघ से संबंधित कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी वरिष्ठ अधिकारियों के रूप में आपके द्वारा दी गई नवीनतम जानकारी रूस के व्लादिवोस्तोक में आगामी शिखर सम्मेलन में अपनाए जाने वाले बाघ घोषणा पत्र को आकार देने की दृष्टि से अमूल्य है।

बाघ संरक्षण के क्षेत्र में हमारे द्वारा अब तक हासिल की गई उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अब हमें महत्वपूर्ण लाभों को समेकित करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है और वर्तमान में हम सभी हितधारकों को शामिल करते हुए भारत में बाघ संरक्षण के लिए विज़न प्लान तैयार करने की प्रक्रिया में हैं।

मित्रों, अंतर-सरकारी मंच ग्लोबल टाइगर फोरम के संस्थापक सदस्य के रूप में हम, भारत और वैश्विक स्तर पर वन्य बाघों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सभी टाइगर रेंज देशों के साथ अपनी साझेदारी और सहयोग को बढ़ाने की मंशा रखते हैं।

मैं एक बार फिर शिखर सम्मेलन से पूर्व की बैठक में भाग ले रहे टाइगर रेंज देशों के हमारे मित्रों का गर्मजोशी से स्वागत करता हूं और कामना करता हूं कि आप सभी का यहां प्रवास

सुखद और सार्थक हो। मुझे विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन से पूर्व की बैठक के विचार-विमर्श से वैश्विक स्तर पर वन्य बाघों और उनके आवासों के भविष्य को सुरक्षित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

वनों और लंबी-लंबी घास के साये में

बाघ की दहाड़ सुनाई देती रहे,

उसकी गर्जना

भूमि पर सुनाई देती रहें

बाघों का वजूद यहां हमेशा कायम रहें।

रस्किन बॉन्ड की इन्हीं पंक्तियों के साथ, मैं बाघ संरक्षण की दिशा में कामयाबी हासिल करने की तैयारी में जुटी इस सभा को शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद

जय हिन्द।

****

एमजी/एएम/जेके/जीबी/आरके/डीके